जनपद बागपत में सहयोगात्मक भ्रमण आख्या

1. डा0 ए0के0 अग्रवाल, उपमहाप्रबन्धक, आर0के0एस0के0 2. बिशम्भर दयाल – कन्सलटेन्ट, मानव संसाधन, मातृ स्वास्थ्य, 3. भूपेश कुमार भाष्कर, पी0सी0, सी0पी0 अनुभाग	दिनांक– 19 से 22 दिसम्बर 2017 स्थान– जिला संयुक्त चिकित्सालय, सी0एच0सी0 पिलाना एवं बड़ौत, उपकेन्द्र पुरामहादेव,वी0एच0एन0डी0 सत्र अमीरपुर बालैनी एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पट्टी चौधरान।

दिनांक 19.12.2017

	Major findings from this visit	Intervention/Activities identified	Level of intervention
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पिलाना, बागपत	प्रसव कक्ष में खिड़कियों के ऊपर लगी हुई जाली टूटी हुई थी।	अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि खिड़कियों के ऊपर जाली जल्द से जल्द लगवाने हेतु कहा गया।	अधीक्षक के स्तर से
	प्रसव कक्ष में रखे हुए कलर कोडेड डस्टबिन यथा स्थान पर नहीं रखा हुआ था और न ही पालिथिन लगा हुआ था एवं प्रोटोकाल पोस्टर चस्पा नहीं था।	तीनों प्रकार की पालिथिन लगावर कर यथा स्थान पर रखवाया गया एवं प्रोटोकाल पोस्टर चस्पा करवाया गया।	तत्काल
	प्रसव कक्ष एवं भोजन पंजिका में लाभार्थी को कब डिस्चार्ज किया गया दिनांक व समय अंकित नहीं किया जा रहा है।	लाभार्थी को कब डिस्चार्ज किया गया दिनांक व समय अंकित करने के लिए निर्देशित किया गया।	स्थानीय
	प्रसव कक्ष में ड्रग ट्रे में टैबलेट मेथाइलडोपा, कैप्सूल एम्पीसिलिन उपलब्ध नहीं थी।	अधीक्षक को बताया गया कि स्टोर से मंगाकर रखवाये गये।	अधीक्षक के स्तर से
	प्रसव उपरांत प्रसूता 12 घंटे से अधिक नहीं रूक रही हैं। भोजन का रजिस्टर भरा जा रहा है, लेकिन भुगतान 48 घंटे के हिसाब से किया जा रहा है।	अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि भोजन रजिस्टर में दर्ज संख्या के आधार पर ही भुगतान किया जाये एवं प्रतिदिन की कम्पाइल रिपोर्ट बनाकर माहवार वाउचर के साथ लगाई जाये।	अधीक्षक के स्तर से

	मुद्रित कराकर दिये गये रोगी कल्याण पंजिका का उपयोग नहीं किया जा रहा है। अलग पंजिका बनाकर सिर्फ बैठक में उपस्थिति दर्ज की जा रही है। कार्यवाही, नवीन प्रस्ताव पर चर्चा व अन्टाइड फण्ड की व्यय की गई धनराशि का लेखा–जोखा भी मुद्रित पंजिका पर दर्ज नहीं किया जा रहा है।	अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि मुद्रित कराकर दिये गये रोगी कल्याण पंजिका का उपयोग किया जाये।	अधीक्षक के स्तर से
	एक आई0एल0आर0 खराब पड़ा हुआ था।	आई0एल0आर0 जल्द से जल्द ठीक करा लिये जाने हेतु निर्देश दिया गया।	अधीक्षक के स्तर से
	मदरसा दारूस्सलाम, मौजा तिलपनी, पो0 अमीनगर सराय में गई हुई आर0बी0एस0के0 टीम को कार्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी नहीं थी।	आर0बी0एस0के0 टीम को प्रशिक्षित किये जाने की आवश्यकता है।	अधीक्षक के स्तर से
	मदरसे में देखा गया कि जो बच्चे मदरसे में पढ़ रहे हैं उसमें से 90 प्रतिशत बच्चे उसी ग्राम के आंगनवाड़ी व प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने जाते हैं, जिसके कारण बार–बार उन्हीं बच्चों को आच्छादित किया जा रहा है।	आर0बी0एस0के0 टीम को निर्देशित किया गया कि बच्चों का चिन्हीकरण के उपरांत ही परीक्षण किया जाये।	अधीक्षक के स्तर से
	मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों से पूछे जाने पर ज्ञात हुआ कि अधिकांश बच्चों को कार्यक्रम/दवा के बारे में जानकारी नहीं है। जबकि वही बच्चे आंगनवाड़ी व प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने जाते हैं। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा भ्रमण नहीं किया जा रहा है।	आर0बी0एस0के0 टीम को निर्देशित किया गया कि माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य किया जाये।	अधीक्षक के स्तर से
	आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम के तहत लगाये गये वाहन की लाग बुक में मीटर रीडिंग नहीं भरी जा रही है।	आर0बी0एस0के0 टीम को निर्देश दिया गया कि लाग बुक में मीटर रीडिंग अपने सामने भरवायें।	अधीक्षक के स्तर से
	आशा मास्टर पेमेंट रजिस्टर उपलब्ध नहीं था।	जनपद मुख्यालय से रजिस्टर की आपूर्ति हेतु कहा गया।	जनपद स्तर

दिनांक 20.12.2017

	Major findings from this visit	Intervention/Activities identified	Level of intervention
उपकेन्द्र, पुरामहादेव, पिलाना, बागपत	उपकेन्द्र पर केस शीट, एम0सी0पी0 कार्ड एवं टेबलेट मीजोप्रोस्टॉल उपलब्ध नहीं थी।	ए0एन0एम0 को कहा गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क कर के शीट प्राप्त कर लिया जाये।	अधीक्षक के स्तर से
	उपकेन्द्र पर प्रतिमाह लगभग 15 से 20 प्रसव हो रहे हैं। ए0एन0एम0 उपकेन्द्र पर निवास नहीं करती हैं। उपकेन्द्र से 2 किलोमीटर दूर निवास करती हैं।	ए0एन0एम0 को उपकेन्द्र पर निवास करने हेतु निर्देशित किया गया	अधीक्षक के स्तर से
वी0एच0एन0डी0 सत्र अमीरपुर बालैनी	श्री सुरेश चन्द्र यादव (प्रधानाचार्य), अमीरपुर बालैनी के घर पर वी0एच0एन0डी0 सत्र का आयोजन किया गया था। जहां पर ई0सी0पी0 कार्ड एवं मेजोप्रोस्टॉल उपलब्ध नहीं था।	ए0एन0एम0 को कहा गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क कर ई0सी0पी0 कार्ड एवं मेजोप्रोस्टॉल प्राप्त कर लिया जाये।	अधीक्षक के स्तर से
	वी0एच0एन0डी0 सत्र पर आंगनवाड़ी सहायिका मौजूद नहीं थी।	ए0एन0एम0 को निर्देशित किया गया कि सी0डी0पी0ओ0 को इसकी जानकारी दी जाये।	अधीक्षक के स्तर से

दिनांक 21.12.2017

	Major findings from this visit	Intervention/Activities identified	Level of intervention
नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पट्टी चौधरान, बड़ौत, बागपत	नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आयरन की नीली गोली वितरित की जा रही थी, जबकि गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली लाल गोली केन्द्र पर उपलब्ध नहीं थी।	प्रभारी को निर्देशित किया गया कि औषधि भण्डार से तत्काल प्राप्त कर गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध कराई जाये	अधीक्षक के स्तर से
	कोई एन्टीबायोटिक सिरप अथवा कफ सिरप केन्द्र पर उपलब्ध नहीं था।	प्रभारी को निर्देशित किया गया कि औषधि भण्डार से तत्काल प्राप्त कर लिया जाये।	अधीक्षक के स्तर से
	कार्यरत स्टॉफ नर्स पी0पी0आई0यू0सी0डी0 में प्रशिक्षित नहीं है।	स्टॉफ नर्स को पी0पी0आई0यू0सी0डी0 में प्रशिक्षित कराया जाये।	अधीक्षक के स्तर से
	केन्द्र पर प्रसव की सुविधा होने के बावजूद इमरजेंसी ट्रे में आवश्यक सामग्री का अभाव है।	प्रभारी को निर्देशित किया गया कि इमरजेंसी ट्रे में आवश्यक सामग्री पूर्ण की जाये।	अधीक्षक के स्तर से
	केन्द्र पर आयरन की नीली गोली जनवरी 2018 की एक्पायरी की काफी मात्रा में पाई गई।	प्रभारी को निर्देशित किया गया कि यथाशीघ्र आयरन की नीली गोली को बांट कर खत्म किया जाये।	अधीक्षक के स्तर से

दिनांक 21.12.2017

	Major findings from this visit	Intervention/Activities identified	Level of intervention
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (एफ0आर0यू0), बड़ौत, बागपत	लेबर रूम में मात्र एक कलर कोडेड डस्टबिन बिना पालीथिन के रखी हुई थी।	स्टोर में मात्र एक कलर कोडेड डस्टबिन उपलब्ध थी जिसको प्रसव कक्ष में पालीथिन लगवाकर रखवाया गया तथा तीसरी डस्टबिन रखने के लिए अधीक्षक को निर्देशित किया गया।	अधीक्षक के स्तर से
	लेबर रूम से अटैच लैट्रिन नहीं है।	अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि किसी ऐसे कमरे का इस्तेमाल लेबर रूम के रूप में किया जाये जहां अटैच लैट्रिन हो।	अधीक्षक के स्तर से
	प्रसव कक्ष में 07 ट्रे उपलब्ध थी जिसमें दो ट्रे पर छोटे ढक्कन होने कारण खुली हुई थी	दोनों ट्रे को बदलवाया गया।	
	डा0 ईसरी देवी गायनाकोलॉजिस्ट संविदा पर कार्यरत हैं उनके द्वारा पूरे वित्तिय वर्ष मात्र 5 सिजेरीयन प्रसव किये गये हैं। पूछने पर बताया गया कि यहां पर कोई सिजेरीयन प्रसव कराना नहीं चाहता, प्राइवेट चिकित्सालय में ले जाते हैं लेकिन वहीं पर एक ए0एन0एम0 व अन्य से संज्ञान में आया कि ओ0पी0डी0 में मरीजों को प्राइवेट चिकित्सालय में प्रसव हेतु प्रेरित किया जाता है और प्राइवेट चिकित्सालय में जाकर स्वयं उनके द्वारा कार्य दिवस में सी–सेक्शन किया जा रहा है। जिसको डा0 ईसरी देवी को शिकायतकर्ता के सामने यह बात संज्ञान में लायी गई।	अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि तत्काल इनके सम्बन्ध में नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित कर राज्य स्तर पर अवगत कराया जाये।	जनपद एवं राज्य स्तर से
	मुद्रित कराकर दिये गये रोगी कल्याण पंजिका का उपयोग नहीं किया जा रहा है। अलग पंजिका बनाकर सिर्फ बैठक में उपस्थिति दर्ज की जा रही है। कार्यवाही, नवीन प्रस्ताव पर चर्चा व अन्टाइड फण्ड की व्यय की गई धनराशि का लेखा–जोखा भी मुद्रित पंजिका पर दर्ज नहीं किया जा रहा है।	अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि मुद्रित कराकर दिये गये रोगी कल्याण पंजिका का उपयोग किया जाये।	अधीक्षक के स्तर से
	अस्पताल में परिसर में पानी की टंकी काफी जर्जर स्थिति में है, जो कभी भी टूट कर गिर सकती है।	अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि क्षेत्र के जे0ई0 सम्पर्क कर उसे तत्काल ठीक कराया जाये।	अधीक्षक के स्तर से

दिनांक 22.12.2017

	Major findings from this visit	Intervention/Activities identified	Level of intervention
जिला संयुक्त चिकित्सालय, बागपत	चिकित्सालय परिसर एवं चिकित्सालय की साफ–सफाई सन्तोषजनक है।		
	प्रसव कक्ष साफ सुथरा था		
	प्रसव कक्ष एवं ओ0टी0 के साथ अटैच लेट्रिन नहीं है।	प्रसव कक्ष में एक बन्द कमरा था जिसको लेट्रिन के प्रयोग हेतु अधीक्षक का सलाह दी गयी।	
	जे0एस0वाई0, डायट, एवं आर0के0एस0 का रजिस्टर प्रपत्र व मानकानुसार नहीं बनाये जा रहें है।	चिकित्सा अधीक्षक को सभी रिकार्ड मानकानुसार पूरा कराने को कहा गया।	
	एम0सी0पी0 कार्ड एवं जे0एस0वाई0 भुगतान में एम0सी0टी0एस नम्बर नहीं डाले जा रहे।	चिकित्सा अधीक्षक द्वारा एम0सी0टी0एस आपरेटर से 100 प्रतिशत एम0सी0टी0एस पर पोर्टल पर पंजीकरण।	चिकित्सा अधीक्षक के स्तर से
	स्टॉफ नर्स की संख्या कमी के कारण जे0एस0वाई0 वार्ड में प्रसता की निरन्तर देखभाल नहीं की जा रही है।	चिकित्सा अधीक्षक को कहा गया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र प्रेषित करें।	चिकित्सा अधीक्षक के स्तर से
	महिला वार्ड में कार्यरत स्टॉफ नर्स को कार्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी नहीं है।	स्टॉफ नर्स को प्रशिक्षित किये जाने की आवश्यकता है।	चिकित्सा अधीक्षक के स्तर से
	महिला वार्ड में महिला लाभार्थियों के साथ कई परिजन उपस्थित थे।	स्टॉफ नर्स को निर्देश दिया गया कि महिला लाभार्थियों के साथ एक की परिजन उपस्थित रहें।	चिकित्सा अधीक्षक के स्तर से
	महिला वार्ड में भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को स्टॉफ नर्स द्वारा परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में परामर्श नहीं दिया जा रहा है।	स्टॉफ नर्स को निर्देश दिया गया कि भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में परामर्श दिया जाये।	चिकित्सा अधीक्षक के स्तर से
	इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक द्वारा वार्डो में भ्रमण नहीं किया जा रहा है।	इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक द्वारा समय–समय पर मरीजो की देख भाल हेतु भ्रमण करना।	चिकित्सा अधीक्षक के स्तर से
	चिकित्सा 100 बेड की सुविधा उपलब्ध है लेकिन साफ–सफाई एवं अन्य सुविधा हेतु 30 बेड के सापेक्ष राज्य धनराशि अवमुक्त की जा रही है।	100 बेड के सापेक्ष धनराशि का मॉग पत्र प्रेषित किया जाना।	जनपद/राज्य स्तर से

एन.आर.सी., जिला संयुक्त चिकित्सालय, बागपत	एन.आर.सी. में चिकित्सा अधिकारी का पद रिक्त है। अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ ही भर्ती के समय मरीजों को देखते हैं।	चिकित्सा अधीक्षक को कहा गया कि इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र प्रेषित किया जाये।	जनपद/राज्य स्तर से
	एन.आर.सी. में माह अप्रैल 2017 में पिलाना ब्लॉक से संदर्भित एक अतिकुपोषित बच्चे के इलाज के लिए धन की मांग की गई। धन की व्यवस्था न हो पापने के कारण इलाज नहीं हुआ और बच्चे की मृत्यु हो गई।	चिकित्सा अधीक्षक द्वारा क्या कार्यवाही की गई इस सम्बन्ध में जांच आख्या राज्य को प्रेषित करने को कहा गया।	चिकित्सा अधीक्षक के स्तर से
	एन.आर.सी. में पिछले 15 दिनों से कोई भी लाभार्थी भर्ती नहीं है।		जनपद स्तर से
	एन.आर.सी. में आर.बी.एस.के. टीम द्वारा SAM के मरीजों का संदर्भन नगण्य है।		जनपद स्तर से
एस.एन.सी.यू., जिला संयुक्त चिकित्सालय, बागपत	एस.एन.सी.यू. नवीन भवन में संचालित है, जहां अभी और कोई सुविधा शुरू नहीं का जा सकी है। अतः वहां देर–सबेर सन्नाटा पसरा रहता है।		
	एस.एन.सी.यू. में बेड आक्यूपेन्सी अपेक्षा से कम है।		
	एस.एन.सी.यू. में संदर्भित मरीजों की संख्या नगण्य है।		
	एस.एन.सी.यू. में कार्यरत स्टॉफ नर्स की ट्रेनिंग नहीं हुई है।	स्टॉफ नर्स को ट्रेनिंग दिलवाये जाने की आवश्यकता है।	जनपद स्तर से
	एस.एन.सी.यू. में इन्फ्यूजन पम्प आवश्यकता से कम है।	चिकित्सा अधीक्षक को कहा गया कि तत्काल औषधि भण्डार से इन्फ्यूजन पम्प प्राप्त कर रखा जाये।	जनपद स्तर से
	एस.एन.सी.यू. में ट्रांसपोर्ट इन्क्यूवेटर में दोष है।	चिकित्सा अधीक्षक द्वारा बताया गया कि इस सम्बन्ध में कम्पनी को अवगत करा दिया गया है।	

मुख्य मुद्दे/समस्यायें

1. भ्रमण के दौरान पूर्व सूचना दिये जाने के बावजूद अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर, जिला लेखा प्रबंधक, डी0ई0आई0सी0 मैनेजर लगातार अनुपस्थित रहें।
2. जननी सुरक्षा योजना के भुगतान का रिकार्ड मानकानुसार पूर्ण नहीं है।
3. जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत दी जाने वाली डायट का भुगतान रजिस्ट्रर से मिलान नहीं होना।
4. अधिकांश इकाईयों पर कलर कोडेड डस्टबिन पूर्ण से उपलब्ध नहीं।
5. प्रसव कक्ष में अटैच लैट्रिन नहीं होना।
6. चिकित्साधिकारी/कार्यरत स्टॉफ को एम0डी0आर0 के नये दिशा–निर्देशों की जानकारी नहीं होना।
7. प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अन्तर्गत दी जा रही निःशुल्क अल्ट्रासाउण्ड सुविधा चिकित्साधिकारी/कार्यरत स्टॉफ को पूर्ण की जानकारी नहीं होना।
8. अधिकांश आशायें गर्भवती महिलाओं को प्रसव हेतु प्राइवेट चिकित्सालय में ले जा रही है जिनका चिन्हीकरण कर कार्यवाही नहीं किया जाना।
9. डा0 ईश्वरी देवी, गाइनोकॉलाजिस्ट संविदा चिकित्सक बड़ौत द्वारा चिकित्सालय से मरीजो को रेफर कर प्राइवेट चिकित्सालय में कार्यदिवस में सिजेरियन प्रसव कराना और चिकित्सा अधीक्षक तथा मुख्य चिकित्सधिकारी द्वारा कार्यवाही नहीं करना।
10. आर0के0एस0 रजिस्ट्रर में कम्पलीट नही तथा मानकानुसार भुगतान नहीं हो रहा।
11. डी0ई0आई0सी0 मैनेजर का कार्य संतोषजनक नहीं है। संदर्भित बच्चों को संतोषजनक इलाज नहीं मिल पा रहा है।

11.डी0ई0आई0सी0 मैनेजर का कार्य संतोषजनक नहीं है। संदर्भित बच्चों को संतोषजनक इलाज नहीं मिल पा रहा है।

12.विफ्स की रिपोर्ट सभी ब्लाक में प्राप्त नहीं हो रही है।

13.ब्लॉक स्तरीय आर0के0एस0के0 की समीक्षा बैठक की कोई कार्य योजना नहीं बनाई गई है।

14.एन0आर0सी0 में मरीजों की संख्या पिछले 3 माह में काफी घटी है।

15.आर0बी0एस0के0 टीम को लैपटाप एवं अन्य सामान उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

16.जिला संयुक्त चिकित्सालय में मरीजों की आमद अपेक्षा से काफी कम है।

17.102 एवं 108 एम्बुलेंस का रख–रखाव संतोषजनक नहीं है।

18.मौके पर खड़ी 102 एम्बुलेंस की खिड़की का शीशा टूटा पाया गया जो कि पिछले एक माह से टूटा हुआ बताया गया।

19.मरीजों के रिकार्ड बिना लिए ही भ्रमण रजिस्टर में अंकित कर लिए जाते हैं।

भूपेश कुमार भाष्कर
कार्यक्रम समन्वय, कम्युनिटी प्रोसेस

बिशम्भर दयाल
परामर्शदाता, मानव संसाधन, मातृ स्वास्थ्य

डा0 आनन्द अग्रवाल
उपमहाप्रबंधक, आर0के0एस0के0